एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

प्रथम पत्र : जैन इतिहास, संस्कृति, साहित्य एवं कला

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. भगवान अरिष्टनेमि के जीवन एवं दर्शन पर प्रकाश डालिए।
Explain the Life and Philosophy of Lord Aristnemi.

अथवा / OR

भगवान महावीर के जीवन और दर्शन पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the life and Philosophy of lord Mahaveera.

प्र. 2. अहिंसक जीवन शैली की विशेषताएं लिखिए।
Write the characteristics of Non-violent way of life.

अथवा / OR

तीर्थस्थान से आप क्या समझते हैं? किन्हीं दो जैन तीर्थस्थानों का वर्णन कीजिए।
What do you mean by Pilgrimage? Explain any two Jain places of pilgrimage.

प्र. 3. जैन चित्रकला के बारे में विस्तार से समझाइये।

Explain in detail about Jain Painting.

अथवा / OR

किन्हीं तीन जैन मन्दिरों के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the characteristics of any three Jain Temples.

प्र. 4. जैन आगम से आप क्या समझते हैं? किन्हीं दो जैन आगमों के बारे में लिखिए।

What do you mean by Jain Agam? Write about any two Jain Agams.

अथवा / OR

जैन व्याख्या साहित्य पर एक निबंध लिखिए।

Write an essay on Jain explanatory literature.

प्र. 5. निम्नांकित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any two of the following -

(i) दार्शनिक साहित्य/Philosophical Literature

(ii) चरित साहित्य/Charitra Literature

(iii) जैन पर्व/Jain Festival

(iv) काव्य साहित्य/Literature of Poetry

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

द्वितीय पत्र : जैन तत्त्व मीमांसा एवं आचार मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन के अनुसार द्रव्य की अवधारणा का विवेचन करें?

Explain the concept of Dravya according to Jain Philosophy?

अथवा / OR

जैन दर्शन के अनुसार लोक के स्वरूप पर प्रकाश डालें।

Throw light on Loka as believed in Jain Darshan?

प्र. 2. जैन दर्शन में स्वीकृत षडजीवनिकाय की अवधारणा का विस्तार से विवेचन करें।

Explain in detail the concept of 'Sadjeev Nikaya' as accepted in the Jain Philosophy.

अथवा / OR

जैन दर्शन में प्रतिपादित 'काल और आकाश' द्रव्य का विवेचन करें?

Explain the concept of 'Time and space' according to Jain Philosophy.

प्र. 3. परमाणु को परिभाषित करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

Define Parmanu in detail and give its characteristics.

अथवा / OR

श्रावकाचार पर एक निबन्ध लिखें।

Write an essay on 'Sravakachara'.

प्र. 4. 'आवश्यक' का स्वरूप बताते हुए उसके प्रयोजन एवं माहात्म्य पर प्रकाश डालें।

Explain the nature of 'Aavashyaka' illustrating its purpose and importance.

अथवा / OR

परीषह कितने हैं? उनके उत्पत्ति के कारणों को बताते हुए परीषहों की विस्तृत व्याख्या करें।

How many 'Parishaha' are there? Define in detail giving reasons for their creation.

प्र. 5. नव तत्त्वों में मोक्ष के साधक–बाधक तत्त्व कौनसे हैं? स्पष्ट करें।

Which among the nine categories of truth are helpful for and which are hindering in attainment of Emanicipation? Discuss.

अथवा / OR

जैन दर्शन में संथारा की अवधारणा का वर्णन करते हुए, संथारा और आत्महत्या में क्या अन्तर है, स्पष्ट करें।

Explaining the concept of 'Santhara' in jainism clarify the difference between santhara and suicide.

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

तृतीय पत्र : ध्यान योग एवं कर्म मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन योग में आचार्य हरिभद्र के अवदान को विस्तार से बताएं।

Explain in detail about the Contribution of Haribhadra in Jainology.

अथवा / OR

ध्यान के स्वरूप को समझाते हुए धर्मध्यान और शुक्लध्यान पर निबंध लिखें।

Explaining the nature of Dhyan write an essay on Dharma dhyan and Shukla dhyan.

प्र. 2. प्रेक्षाध्यान के स्वरूप पर प्रकाश डालें।

Throw light on the nature of 'Preksha dhyan'.

अथवा / OR

सर्वार्थसिद्धि ग्रंथ के आधार पर अनुप्रेक्षाओं का वर्णन करें।

Explain the concept of 'Anupresksha' (Contemplation) on the basis of the text 'Sarvarthasiddhi'.

प्र. 3. संप्रज्ञात एवं असंप्रज्ञात समाधि को विस्तार से समझाइए।

Explain the sampragyat and asampragyat samadhi in detail.

अथवा / OR

क्रिया योग पर निबन्ध लिखें।

Write an essay on 'Kriya Yoga' (Yoga of Action).

प्र. 4. जैन दर्शन के आधार पर कर्म के स्वरूप को बताएं।

Explain the nature of Karma as per Jainism.

अथवा / OR

कर्मबंध के हेतु एवं प्रक्रिया का वर्णन करें।

Explain the causes of bondage of Karma and its process.

प्र. 5. कर्म और पनुर्जन्म विषय पर प्रकाश डालें।

Throw light on 'Karma and Rebirth'.

अथवा / OR

पंच समवाय पर निबंध लिखें।

Write an essay on 'Panch Samvay' (Five Concomitance)

♦♦♦

D004 MJCRP104

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

चतुर्थ पत्र : जैन ज्ञान मीमांसा एवं जैन न्याय

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन ज्ञान मीमांसा के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालें।

Throw light on the origin and development of Jain Epistemology.

अथवा / OR

ज्ञान को परिभाषित करते हुए ज्ञान एवं ज्ञेय के संबंध को स्पष्ट करें।

Defining knowledge, clarify the relation between knowledge and knowable.

प्र. 2. श्रुतज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों पर प्रकाश डालें।

Clarifying the nature of verbal knowledge focus on its types.

अथवा / OR

मतिज्ञान के प्रकारों को समझाएं।

Explain the types of perceptual knowledge.

प्र. 3. मनः पर्यवज्ञान को समझाते हुए, ऋजुमति एवं विपुलमति मनः पर्यवज्ञान के भेद को बताएं।

Explaining mind-reading knowledge, show the difference between rijumati and vipulmati.

अथवा / OR

अवधिज्ञान को विस्तार से बताएं।

Discuss in detail about clairvoyance.

प्र. 4. जैन न्याय के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालें।

Throw Light on the origin and development of Jain Logic.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any two of the following :

(i) प्रमाण का लक्षण / Characteristic of Pramana

(ii) प्रत्यक्ष प्रमाण / Direct Pramana

(iii) न्याय विकास में जैन आचार्यों का योगदान

Contribution of Jain Acharyas in the development of Logic

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any four of the following :

(i) स्मृति / Recollection

(ii) तर्क / Reasoning

(iii) अनुमान / Inference

(iv) आगम प्रमाण / Verbal Testimony

(v) प्रमिति / The Resultant

♦♦♦